ECHO OF HIS CALL

यीशु मसीह के बुलावे की प्रतिध्वनि HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Dorathy S. Thomas

VOL. XXV | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2020 MARCH | No. 7

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजनसंहिता १३८:१-८

१ मैं पूरे मन से तेरा धन्यवाद करूंगा;
देवताओं के सामने भी मैं तेरा भजन
गाऊंगा।
२ मैं तेरे पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत्
करूंगा, और तेरी करूणा और सच्चाई
के कारण तेरे नाम को धन्यवाद करूंगा;
क्योंकि तू ने अपने वचन को अपने बढ़े
नाम से अधिक महत्व दिया है।
३ जिस दिन मैंने पुकारा, उसी दिन तू ने
मेरी सुन ली, और मुझ में बल देकर
हियाव बन्धाया।
४ हे यहोवा, पृथ्वी के सब राजा तेरा
धन्यवाद करेंगे, क्योंकि उन्होंने तेरे वचन
सुने हैं;
५ और वे यहोवा की गति के विषय में
गाएंगे, क्योंकि यहोवा की महिमा बड़ी है।
६ यद्यपि यहोवा महान है, तौभी वह नम्र
मनुष्य की ओर दृष्टि करता है; परन्तु
अहंकारी को दूर ही से पहचानता है।
७ चाहे मैं संकट के बीच में रहूं तौभी तू मुझे
जिलाएगा, तू मेरे क्रोधित शत्रुओं के विरूद्ध
हाथ बढ़ाएगा, और अपने दाहिने हाथ से
मेरा उध्दार करेगा।
८ यहोवा मेरे लिये सब कुछ पूरा करेगा; हे
यहोवा, तेरी करूणा सदा की है। तू अपने
हाथों के कार्यों को त्याग न दे।

प्रभु की उपस्थिति की सामर्थ

यह संदेश परमेश्वर की उपस्थिति की सर्वशक्तिमान सामर्थ के विषय में है - और यह कि हम कैसे उस सामर्थ को थाम सकते हैं! पवित्र शास्त्र अनगिनत उदाहरण देता है कि किस प्रकार परमेश्वर की उपस्थिति उसके बच्चों को उनके लिए जीने हेतु सामर्थ देती है। और इनमें से सर्वाधिक सामर्थ मूसा के जीवन में पाई जाती है।

मूसा को विश्वास था कि उसके जीवन में परमेश्वर की उपस्थिति के बिना, किसी भी बात का प्रयास करना उसके लिए व्यर्थ है। जब उसने प्रभु से आमने-सामने बात की, तब उसने कहा, "यदि तू आप न चले, तो हमें यहां से आगे न ले जा" (निर्गमन ३३:१५)। वह कह रहा था, "प्रभु, यदि आपकी उपस्थिति मेरे साथ नहीं है, तो मैं कहीं नहीं जाने वाला। जब तक मुझे यह यकीन नहीं हो जाता, तब तक मैं एक कदम भी उठाने वाला नहीं!"

मूसा जानता था कि इस्राएल में परमेश्वर की उपस्थिति ही लोगों को अन्य राष्ट्रों से अलग करती है। और यही बात आज यीशु मसीह की कलीसिया के विषय में सत्य है। एकमात्र बात जो हमें गैर-मसीहियों से अलग करती है वह है परमेश्वर का "हमारे साथ" होना - हमारी अगुवाई करना, हमारा मार्गदर्शन करना, हमारे द्वारा और हम में उसकी इच्छा पूरी करना।

मूसा को इस बात की परवाह नहीं थी कि अन्य राष्ट्रों ने उनका मार्गदर्शन कैसे प्राप्त किया, अपनी कार्यनीतियां कैसे तैयार की, अपनी सरकारें कैसे चलाईं या अपनी सेनाओं को कैसे निदेशन दिया। उसने कहा, "हम केवल एक सिद्धांत पर चलते हैं। मार्गदर्शन पाने या शासन पाने, युद्ध करने और इस बंजर भूमि में जीवित रहने का एकमात्र मार्ग है, हमारे साथ परमेश्वर की उपस्थिति का होना!"

"जब परमेश्वर की उपस्थिति हमारे मध्य में होती है, तो कोई हमें हानि नहीं पहुंचा सकता। परंतु उसके बिना, हम असहाय हैं, कुछ भी नहीं। इस संसार के समस्त राष्ट्र अपनी बलवन्त सेनाओं में, उनके सोने के रथों में, उनके कुशल सैनिकों में, उनके नए हथियारों में भरोसा रखते हैं!"

परमेश्वर ने मूसा से साहसपूर्ण बयान का इस प्रकार उत्तर दिया, "मैं आप चलूंगा, और आप तुझे विश्राम दूंगा" (निर्गमन ३३:१४)। कैसी अविश्वसनीय प्रतिज्ञा! यहां 'विश्राम' के लिए दिया गया इब्रानी शब्द है, "सुखदायक, शांत विश्राम।" परमेश्वर कह रहा था, "आप चाहे जिन शत्रुओं या परीक्षाओं का सामना करते हों, आप हमेशा मुझ में विश्राम पाएंगे!"

इस विषय में विचार करें : यदि कलीसिया के मध्य में परमेश्वर की प्रगट उपस्थिति है, तो वहां पर कोई जल्दबाजी, पसीना बहाना, या संघर्ष नहीं होगा। आराधना सभाएं तीन गीत गाकर, भेंट लेकर, और छोटा संदेश देकर समाप्त नहीं होगी। बल्कि, एक सौम्य शांति, शांत विश्राम होगा - और द्वार से प्रवेश करने वाला हर कोई उसे महसूस करेगा!

...क्रमशः पृष्ठ ४...

Touching Lives By Teaching... Since 1969

बुलावे की प्रतिध्वनि

(ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, MARATHI, KANNADA, BENGALI, GUJARATI, NEPALI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS MONTHLY MAGAZINE)

"...इससे तेरी भलाई होगी"

(अय्यूब २२:२१)।

प्रभु यीशु मसीह में प्रिय मित्रों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अद्भुत नाम में आपको उत्तम अभिवादन। हमें आशा है कि जब हम प्रार्थना करते हैं, तब आपको भी आपके जीवन के सभी क्षेत्रों में परमेश्वर की सामर्थ की छाया का अनुभव होता होगा।

इन दिनों में हम संसार के विभिन्न देशों में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत् लोगों पर पवित्र आत्मा की वृष्टि के आरम्भ के विषय में सुनने मिल रहा है। हम सुनते हैं कि हमारे कई मित्र और सम्मानीय लोग जो प्रभु यीशु मसीह से दूर जीवन बिता रहे थे, वे उसके उद्धारदायक ज्ञान के निकट आ रहे हैं और प्रगट रूप से घोषणा कर रहे हैं कि यीशु उनका प्रभु और उद्धारकर्ता है। इसमें सिनेमा क्षेत्र के लोगों और सत्ता के राजनीति में कार्यरत् लोगों का भी समावेश है। इसलिए परमेश्वर के सभी लोग जो डिनॉमिनेशन के भेदों के विषय में न सोचते हुए प्रार्थना करते हैं, और सेवकाई करते हैं वे प्रभु यीशु मसीह का धन्यवाद करने हेतु अपनी आवाज़ों को ऊंचा करें कि प्रतिकुल परिस्थितियों के बावजूद राष्ट्रों के ऐसे लोगों तक सुसमाचार पहुंचा है जहां नहीं पहुंच सकता था।

हमें मिडिया के लोगों के लिए भी प्रार्थना करना चाहिए कि उन्हें आत्मिक संसार में होने वाली सच्ची बातों को प्रकाशित करने का साहस हो। लोगों के मध्य प्रभु का अधिकांश कार्य सामान्य लोगों के ध्यान में और ज्ञान में नहीं आता। इस माह हम विशिष्ट तौर पर समाचार पत्र, टेलीविज़न, इंटरनेट, वाट्सऐप आदि जैसी मिडिया एजेन्सीज के लिए प्रार्थना करें, ताकि वे आगे आकर आत्मिक संसार में होने वाले आश्चर्यकर्मों और वास्तविक घटनाओं को प्रकाशित करें। प्रतिदिन हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की सामर्थ के द्वारा लोगों के जीवनों में आश्चर्यजनक बातें हो रही हैं। हम हमारे प्रभु यीशु मसीह का अत्याधिक धन्यवाद करते हैं कि उसने मुश्किल स्थानों में सुसमाचार का प्रचार करने हेतु परमेश्वर के लोगों के कठिन कामों का सम्मान किया और प्रार्थना योद्धाओं की प्रार्थसुनी।

सेवकाई के हमारे क्षेत्र में भी हम उन लोगों के मध्य बड़ी आत्मिक बेदारी के विषय में सुनते हैं जो हमारे कार्यकर्ताओं के सम्पर्क में है।

इस वर्ष ६ जनवरी को, करीब सुबह साढ़े बारह बजे हमें राजमार्ग के एक रेस्टारेन्ट में रुकना पड़ा ताकि हम तिरूनेलवेल्ली नामक स्थान में, जो दक्षिण भारत का हिस्सा है अपनी मिशनरी यात्रा में छोटा-सा अवकाश लें। अनेपेक्षित रूप से एक पति और पत्नी हमारे सामने बैठे और उन्होंने हमारे मेज़ पर भोजन खाया। हम लम्बी यात्रा से बहुत थक गए थे, इसलिए हमारा सारा ध्यान अपने कॉफी के प्याले पर था और हम उसका आनन्द उठा रहे थे, तब उस परिवार के मुखिया ने गम्भीरता के साथ हमारी ओर देखा और अचानक मुझे गले से लगाया और निम्नलिखित दिलचस्प बयान के साथ घोषणा की :

"प्रिय भाई सैम, क्या आप मुझे पहचानते हैं? मैं रेव्ह. रामदास हूं, मैं चेन्नई में १९९२-१९९४ में नेहम्याह बाइबल कॉलेज में आपका एक साधारण विद्यार्थी था। आप कॉलेज के प्रशासक थे और मसीह के उत्साह के साथ विद्यार्थियों को सिखाते थे। उस समय मैं एक सुविख्यात दैनिक समाचार पत्र 'दीना थानती' में काम करता था। एक दिन जब आपने प्रभु यीशु मसीह के कार्य की सार्वभौमिकता

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.
MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager
EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M. Phil., B.Ed.
ADVISORY BOARD
Adv. Jose Abraham
Adv. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM)
Aud. K. Puratchivendan, M.Com., B.L.
Bro. Rajeswaran Samuel, B.Com.
PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+91-44) 2852 8282
2852 9293, 2854 7766
Email : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

के विषय में समझाया, कि जब आप सरकारी नौकरी में अच्छा वेतन पा रहे थे, तब प्रभु यीशु मसीह ने आपको किस प्रकार पूर्णकालीन सेवकाई के लिए बुलाया और आपने चुनौती दी कि किस प्रकार प्रभु यीशु मसीह आपको उसकी सेवकाई में और आपके जीवन की सफलता में उपयोग कर रहा था। प्रभु ने मेरे हृदय को छू लिया और चाहता था कि मैं भी उसकी पूर्णकालीन सेवकाई के कारोबार में शामिल हो जाऊं। उसके अनुसार मैंने अपना अध्ययन पूरा किया और पदवी प्राप्त की और संसारिक समाचार पत्र कम्पनी की अपनी नौकरी छोड़कर साहस के साथ यीशु मसीह की सेवकाई में कूद पड़ा। अब प्रभु ने मुझे आशिषित किया है और मुझे वरिष्ठ पासबान बनाया है। उसने मुझे सबकुछ दिया है, जैसे गिरजाघर की इमारत, घर की इमारत, गाड़ियां आदि और वह मेरी सारी ज़रूरतों को पूरा कर रहा है। मेरी पत्नी और बेटी के साथ मैं प्रभु की पूर्णकालीन सेवा कर रहा हूं! नहेम्याह बाइबल कॉलेज की सेवकाई के लिए प्रभु का धन्यवाद हो!!

दूसरी बात, आप हमारे मूल बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम के विषय में जानते हैं जिसे बाइबल कोर कहा जाता है। हम एक अद्भुत पाठ्यक्रम पुस्तक का उपयोग कर रहे हैं जिसका नाम है **न्यू लाईफ फॉर यू!** जो १९८० से तीन भाषाओं में, अर्थात् अंग्रेजी, तमिल, और हिन्दी भाषा में प्रकाशित की जाती है। भारत और पड़ोसी देशों से हज़ारों लोगों ने इस पाठ्यक्रम द्वारा आशीष पाई है। हम सफल विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देते हैं। हज़ारों विद्यार्थी उनके डिनोमिनेशनल भेदों और उम्र के बावजूद इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करते हैं। हम नीचे दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश की एक विद्यार्थी, बहन अन्नपूर्णा द्वारा भेजा गया पत्र प्रकाशित कर रहे हैं। हमने इसमें संशोधन नहीं किया है।

मसीह में प्रिय भाई,

प्रभु यीशु मसीह के नाम में अभिवादन! मैं एम. अन्नपूर्णा हूं। मैंने "बाइबल कोर", "न्यू लाईफ फॉर यू" प्राप्त किया। इस बाइबल पाठ्यक्रम को पाकर मैं बहुत खुश हूं। यह अत्यंत उपयुक्त है और इस पुस्तक के वाक्य और शब्द समझने में अत्यंत सरल और आसान है और हम बाइबल के शब्दों को सीख सकते हैं।

इस पाठ्यक्रम को पूरा करते समय मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं समझ गई कि सच्चे मसीही को कैसे आचरण करना चाहिए। मैंने इन सच्चाइयों को मन में रखा है ताकि हर समय उनका अनुसरण कर सकूं। मैंने बड़े आनंद के साथ इस पाठ्यक्रम को पूरा किया। मैं इस पत्र के साथ उत्तर पत्रिकाएं भी भेज रही हूं। इस बाइबल पाठ्यक्रम को करते हुए मुझे बहुत अशीषित महसूस होता है। मैं धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे यह पाठ्यक्रम भेजा।

मैंने पत्र के साथ "प्रतिज्ञा पत्र" और "बाइबल वाचन योजना" (२०२०) प्राप्त की। उन्हें पाकर मुझे बहुत खुशी है। इस साहित्य के लिए मैं आपको बहुत धन्यवाद देती हूं।

इस नए वर्ष से, मैं आपको हर माह रुपये २००/- भेजना चाहती हूं। कृपया इसे आपकी कलीसियाई सेवकाई के लिए उपयोग करें। मैं मनीऑर्डर के द्वारा रुपये २००/- भेज रही हूं। कृपया इसे ग्रहण कीजिए।

मेरे लिए तथा मेरे परिवार के लिए क्रिसमस और नए वर्ष की शुभकामनाओं के लिए आपका धन्यवाद। आपकी प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद। मैं आपको और आपके परिवार को क्रिसमस और नए वर्ष की शुभकामनाएं देती हूं। परमेश्वर आपको, आपके परिवार को और आपकी सेवकाई को सभी बातों में बहुतायत से आशीष प्रदान करें।

फिर से क्रिसमस और नए वर्ष की बधाइयां! कृपया मेरे विवाह के लिए और मुझे अच्छा जीवनसाथी मिले इसलिए प्रार्थना करें।

हम भी आपके लिए और आपकी सेवकाई के लिए प्रार्थना करते हैं। हम आपसे प्रेम करते हैं और आपको धन्यवाद देते हैं।

एम. अन्नपूर्णा

तीसरी बात, हम केरल राज्य के भाई मोहनदास बेजल नामक एक बुज़ुर्ग विद्वान का परिचय कराना चाहते हैं, जिन्होंने नहेम्याह बाइबल कॉलेज से थियोलॉजिकल पत्राचार पाठ्यक्रम का अध्ययन किया। हम नीचे हाल ही में उनके द्वारा प्राप्त पत्र को प्रकाशित कर रहे हैं :

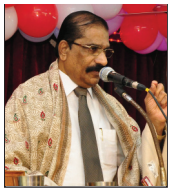

मैंने 'एको ऑफ हिज़ कॉल', चेन्नई की सेवकाई के अंतर्गत संचालित 'नहेम्याह बाइबल कॉलेल' से ईश्वरविज्ञान बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। हाल ही में यह मेरे हृदय में एक चिन्गारी बन गया। इस पाठ्यक्रम अध्ययन के द्वारा, मैं बाइबल का अधिकाधिक अध्ययन करना चाहता था। इसलिए मैंने एक एक करके सातों पुस्तकों का अध्ययन कर लिया। निश्चित रूप से मैंने जान लिया कि ज्ञान एक नए जीवन में नहीं है। छः पाठों की पुस्तक के माध्यम से, मैंने कई नए प्रकाशन और बाइबल ज्ञान प्राप्त किए। उसके द्वारा मुझे सही मार्ग सिखाया गया और नया जीवन प्रदान किया गया। विशेषकर इस पाठ्यक्रम में मेरे पिछले ज्ञान से अधिक ईश्वरविज्ञान के ज्ञान में उत्तम मार्गदर्शन प्रदान किया।

कलीसिया के विषय में अंतिम सातवें पाठ की पुस्तक ने मुझे अनुवाद और प्रचार के विषय में बहुत ज्ञान प्रदान किया। इसलिए मैं मेरे प्रभु की बहुत स्तुति करता हूं और नहेम्याह बाइबल कॉलेज तथा एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों द्वारा प्राप्त ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम के लिए उसे धन्यवाद देता हूं। इस पाठ्यक्रम ने मुझे सही रीति से परमेश्वर का वचन दिया और मेरे जीवन में सही मार्ग दिखाया।

विशेषकर, इस सेवकाई के संचालक, पास्टर एस. सेम सिल्वाराज ने मेरी बहुत सहायता की और मुझे बहुत प्रोत्साहन दिया और जब मैं दिसम्बर २०१९ में इस सेवकाई को भेंट देने के लिए आया, तब उन्होंने अपनी जीवनशैली के द्वारा मुझे यह दिखाया कि कलीसिया का सच्चा अगुवा कौन है। इस समय के दौरान, मेरा स्वप्न सच हुआ और मेरे प्राण आनंदित हुए और मैंने परमेश्वर के मेम्ने को हालेलुय्याह कहा। पास्टर सेम ने मुझे सब प्रकार की आराधना, नेतृत्व में सहभागी होने की अनुमति दी और अपने मधुर प्रेम तथा विचारशीलता से मुझे प्रोत्साहन दिया। परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए वे अद्भुत सेवा कर रहे हैं। प्रभु के लिए और विश्वासयोग्य सेवा को पूरा करने के लिए उनकी अद्भुत वचनबद्धता को मैं कैसे व्यक्त कर सकता हूं। मेरी भेंट ने मुझे और बल तथा बुद्धि प्रदान की। यह एको ऑफ हिज़ सेवकाई और पास्टर सेम सिल्वा राज परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए उत्तम उदाहरण हैं।

मैं पास्टर एम. सिल्वा राज और उनकी टीम को शुभकामना देता हूं और प्रार्थना करता हूं कि प्रभु उन्हें और उनके मिशन को, जिसमें बाइबल कॉलेज, हायस्कूल शामिल है, सब प्रकार की आशीष प्रदान करे।

बहुत प्रेम और प्रार्थनाओं के साथ,

मोहनदास बेजल पी.

प्रभु परमेश्वर ने हमारी सहायता की और हम अपनी मुख्य कलीसिया के सभी सदस्यों के साथ पडप्पई नामक स्थान में गए और २५ जनवरी २०२० को मंडपों का त्योहार मनाया।

प्रिय, यह लम्बा-चौडा सम्पादकीय स्तम्भ पढने के लिए आपका धन्यवाद परमेश्वर हमें आशीष दे रहा है और अवर्णनीय रूप से हमारा उपयोग कर रहा है। कृपया हमारे सहयोगियों, सहायक सम्पादकों, शुल्क सहभागियों, आजीवन सहभागियों, विश्वास सहभागियों, शुल्क सहभागियों, महान आदेश सहभागियों, पासवानों मिशनारियों, पाठशाला के कर्मचारी सदस्यों, हमारे साथ एको ऑफ हिज कॉल की गतिविधियों का भार उठा रहे हैं।

हम ने मई २०२० प्रार्थना दिवस के रूप में ठहराया है, विशेषकर एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों के लिए और विश्वभर के उनके सहयोगियों के लिए उस दिन चेन्नई, भारत के हमारे मुख्य गिरजाघर में सुबह १० से ५ बजे तक एक विशेष सम्मेलन है और हम विश्वभर के हमारे सभी सहयोगियों और मित्रों से निवेदन करते हैं कि इस दिन का एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाईयों के लिए और अन्य सेवकाईयों के लिए प्रार्थना दिन के रूप में पालन करें। हम मित्रों, संस्थाओं और कलीसियाओं को प्रार्थना विषय भेजेंगे।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह में आपका सेवक,
एस. सॅम सिल्वा राज

...पृष्ठ १ से आगे...

इसका अर्थ यह नहीं है कि कलीसिया ऊंची आवाज़ में स्तुति या उत्साहपूर्ण आराधना का अनुभव नहीं कर सकती। इसके विपरीत, मेरा मानना है कि ये बातें अक्सर विश्राम प्राप्त लोगों का परिणाम है। जिस कलीसियाई मण्डली के मध्य परमेश्वर की उपस्थिति है, वह हर समय प्रभु में शांत भरोसे के साथ जीएगी, कार्य और आराधना करेगी।

यही बात प्रत्येक मसीही के विषय में सच है। यदि आपके जीवन में यीशु की उपस्थिति है, तो आप परमेश्वर की ईश्वरीय व्यवस्था का अनुभव करेंगे। आपके जीवन में ईश्वरीय व्यवस्था का अनुभव करेंगे। आपके जीवन में शांति होगी, झुंझलाहट या चिंता नहीं होगी, मार्गदर्शन पाने के लिए आगे-पीछे दौडना नहीं होगा, आधार के गिरने का बोध नहीं होगा। आप यह जानकर कि सब कुछ परमेश्वर के नियंत्रण में है, निश्चित जीवन बिताएंगे।

पुराने नियम के आशीष के इन उदाहरणों पर विचार करें कि परमेश्वर की उपस्थिति उसके अनुयायियों के जीवन में लाई गई है :

परमेश्वर की उपस्थिति अब्राहम के जीवन में इतनी प्रगट थी कि उसके आसपास के अन्यजाति भी उनके जीवनों में और उसके जीवनों में अंतर पहचानते थे :

"उन दिनों में ऐसा हुआ कि अबीमेलेक अब्राहम से कहने लगा, जो कुछ तू करता है उसमें परमेश्वर तेरे संग रहता है" (उत्पति २१:२२)। यह अन्यजाति राजा कह रहा था, "अब्राहम, तुझ में कुछ अलग है। परमेश्वर तेरा मार्गदर्शन करता है, परमेश्वर तेरी रक्षा करता है और जहां कहीं तू जाता है, तुझे आशीष देता है।"

- परमेश्वर ने यहोशू से प्रतिज्ञा की कि जब परमेश्वर की उपस्थिति उसके संग होगी तो कोई शत्रु उसके विरोध में खड़ा नहीं रह पाएगा, "तेरे जीवन भर कोई तेरे सामने ठहर न सकेगा; जैसे मैं मूसा के संग रहा, वैसे ही तेरे संग रहूंगा और न तो मैं तुझे धोखा दूंगा, और न तुझको छोडूंगा। इसलिए हियाव बांधकर दृढ़ हो जा" (यहोशू १:५-६)। जब परमेश्वर का आत्मा हमारे साथ उपस्थित रहता है, तो हम दृढ़ और साहसी हो सकते हैं - क्योंकि कोई शत्रु हमें हानि नहीं पहुंचा सकता!

- परमेश्वर ने गिदोन से कहा, "हे शूरवीर सूरमा, यहोवा तेरे संग है... अपनी शक्ति पर जा और इस्राएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ाएगा" (न्यायियों ६:१२, १४)। इस वचन में दिया गया "अपनी शक्ति" यह वाक्यांश पिछले वचन का संदर्भ देता है - कि यहोवा तेरे संग है। क्या आप समझ रहे हैं कि परमेश्वर क्या कह रहा है? "गिदोन, तुझमें शक्ति है जो इतनी सामर्थी है, कि वह इस्राएल को बचा सकती है और वह सामर्थ मेरी उपस्थिति!" पवित्र शास्त्र गिदोन पर प्रगट करता है कि वह डरपोक है - इसलिए, परमेश्वर ने उसे "शूरवीर सूरमा" क्यों कहा? यह इसलिए क्योंकि वह गिदोन को यह साबित करना चाहता था कि जब परमेश्वर की उपस्थिति उसके साथ होती है, तो वह क्या सकता है।

- परमेश्वर ने यिर्मयाह को चेतावनी दी कि सम्पूर्ण राष्ट्र उसके विरोध में हो जाएगा और उसकी भविष्यद्वाणियों को इन्कार करेगा। फिर भी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की, "...वे तुझ से लड़ेंगे, परन्तु तुझ पर प्रबल न होंगे, क्योंकि मैं तुझे बचाने और तेरा उद्धार करने के लिये तेरे साथ हूं, यहोवा की यह वाणी है। मैं तुझे दुष्ट लोगों के हाथ से बचाऊंगा," (यिर्मयाह १५:२०)। परमेश्वर कह रहा था, "कोई बात नहीं है कि सम्पूर्ण राष्ट्र तेरे विरोध में हो जाए, यिर्मयाह। महत्वपूर्ण यह है कि मेरी उपस्थिति तेरे साथ हो। धीरज धर कि मैं तेरे साथ हूं।"

- परमेश्वर ने यशायाह को एक विशेष प्रतिज्ञा के विषय में बताया जो वह उन लोगों से करता है जो उससे प्रेम करते हैं, "मत डर, क्योंकि मैंने तुझे छुड़ा लिया है; मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है। जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी। क्योंकि मैं यहोवा तेरा परमेश्वर हूं... मैं तुझ से प्रेम रखता हूं... मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूं..." (यशायाह ४३:१-५)।

परमेश्वर कह रहा था, "मेरी उपस्थिति तेरे साथ रहते हुए, तू किसी भी प्रकार की बाढ़ या

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittances.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA 2. ICICI BANK	Triplicane, Chennai -5 Anna Salai, Chennai -2	S. Sam Selva Raj Echo of His Call	SBIN 0000249 ICIC 0006038	102329 34679 6038 05022319

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ मार्च २०२० से १८ अप्रैल २०२० तक

(कृपया इस पृष्ठ का फाड़िय, घड़ी कीजिए आर उस अपनी बाइबल म रखकर निरतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

फरवरी १६ हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिक्युलेशन स्कूल** में २८ जनवरी को हुए क्रिडा दिवस के कार्यक्रम पर आशीष दी है।

फरवरी २० : हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिक्युलेशन स्कूल** में १ फरवरी को हुए वार्षिक दिवस के कार्यक्रम पर आशीष दी है।

फरवरी २१ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

फरवरी २२ : परमेश्वर विश्व बेदारी के लिए १०० प्रार्थना योद्धा की हमारी सेवकाई को आशीषित कर रहा है।

फरवरी २३ : हमारे राज्य समन्वयकों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी २४ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में महिलाओं की सहभागिता को आशीषित किया।

फरवरी २५ : हमारे बाइबल कोर पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी २६ : परमेश्वर ने पा. एस. सॅम सेल्वाराज और उनकी टीम की यात्राओं को आशीषित किया।

फरवरी २७ : परमेश्वर ने हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस को प्रभावी व्याख्याता दिए।

फरवरी २८ : परमेश्वर ने हमारे दफ्तर में उत्तम कर्मचारी देकर हमें आशीषित किया।

मार्च २६ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में और प्रार्थना योद्धा देकर हमें आशीषित किया।

मार्च ३० : हमारे प्रायोजकों की प्रार्थना और सहायता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च ३१ परमेश्वर हमारी अस्पताल सेवा को आशीषित कर रहा है।

अप्रैल १ : परमेश्वर ने पिछले माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के सारे क्रियाकलापों को आशीषित किया।

मार्च २ : हमारे मुख्य गिरजाघर और शाखा कलीसियाओं में कई आत्माएं शामिल हुईं।

मार्च ३ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस. सैम सिल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों की सारी बुरी शक्तियों से रक्षा कर रहा है।

प्रार्थना विषय

मार्च ४ : परमेश्वर इस माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** की सारी ज़रूरतों को पूरा करे।

मार्च ५ : सरकारी परीक्षाओं में बैठने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ६ : १ मई २०२० को आयोजित पूर्व विद्यार्थियों की हमारी सभा के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ७ : चीन से और सारे प्रभावित राष्ट्रों से करोना वायरस समाप्त हो इसलिए आग्रह से प्रार्थना करें।

मार्च ८ : १३ जून २०२० को होने वाले **नहेम्याह बाइबल कॉलेज के पदवीदान समारोह** के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ६ : परमेश्वर **२०२०-२०२१** में **हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस** को और विद्यार्थी दे।

मार्च १० : हमारे मुख्य और शाखा कलीसियाओं में गुड फ्रायडे और ईस्टर की होने वाली आराधना सभा के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ११ : सभी स्कूलों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर उन्हें आवश्यक सुरक्षा प्रदान करे।

मार्च १२ : प्रति रविवार **एको ऑफ हिज़ कॉल** की मुख्य और शाखा कलीसियाओं में होने वाली सात सभाओं के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १३ विश्वभर के कैदियों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १४ : **एको ऑफ हिज़ कॉल** के मुख्य कार्यालय क्षेत्र में और उसके आसपास रहने वाले लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १५ : हमारे उर्दू सहायक सम्पादक भाई सूरज कुमार चांदानी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १६ : सभी देशों की सीमा सुरक्षा और सुरक्षित शासन के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १७ : हमारे सभी भारतीय अगुवों, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों, मुख्य मंत्रियों, और सभी सरकारी अधिकारियों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १८ : विश्वभर में शांति के लिए प्रार्थना करें।

...पृष्ठ ४ से आगे...

आग से होकर जाने पर भी बच सकता है। फिर भी तू केवल बचेगा नहीं। तू उन सारी बातों से बच जाएगा और आशीष पाएगा, क्योंकि मेरी उपस्थिति मेरे साथ है!"

ये नए नियम के अनुच्छेद मात्र अप्रचलित कहानियां नहीं हैं। उनका उद्देश्य हमारे जीवनों में परमेश्वर की उपस्थिति खोजने हेतु हमें प्रोत्साहन देना है। अब्राहम, यहोशू, गिदोन, यिर्मयाह और सारे इस्राएल के लिए उसकी उपस्थिति ने जो कुछ किया उसके लिए हम परमेश्वर को धन्यवाद दे सकते हैं। फिर भी हम में से प्रत्येक के पास एक सामर्थी गवाही है कि परमेश्वर की उपस्थिति ने हमारे लिए क्या किया है - हमारे जीवनों में मार्गदर्शन करना, द्वारों को खोलना, रुकावटों को हटाना, हृदयों को पिघलाना और हमें निर्भय करना।

यह मैंने अपने जीवन में सही साबित होते हुए देखा है। आप कह सकते हैं "आप केवल घमण्ड कर रहे हैं।" नहीं - सच्चाई यह है कि, परमेश्वर की उपस्थिति मेरे साथ रही है।

जब हमने दस वर्ष पहले अपनी कलीसिया शुरू की तब जो कुछ हम करते थे उसमें हम में से परमेश्वर की उपस्थिति निकलती थी। मुझे याद है कि मैंने गिरजाघर के रूप मे उपयोग करने के लिए थिएटर की खोज में सुविख्यात ब्रॉडवे निर्माता के दफ्तर में प्रवेश किया। इस व्यक्ति के सचीवों और कर्मचारियों ने मेरा उपहास किया; उनके शब्दों और प्रवृतियों ने मुझ दीन सेवक को आश्वासन दिया कि मुझे नियुक्ति नही मिलेगी। वस्तुतः, मैंने सोचा कि मुझे निकाल भी दिया जा सकता है। लेकिन फिर निर्माता अपने दफ्तर से बाहर आए- और जब उन्होंने मुझे देखा, तब मुझे भीतर आने का निमंत्रण दिया।

अगले कई हफ्तों तक, निर्माता और मैं एक दूसरे को जानने लगे। कभी-कभी वे अपनी मेज से मेरी ओर देखते थे और कहते थे, " मैं नही जानता कि मैं तुम्हारे साथ इतना समय क्यों बिता रहा हूं। मैं बहुत व्यस्त हूं।" परंतु जब कभी मैं उनके दफ्तर मे प्रवेश करता, उनका सचीव सारे विज़िटर्स को छोड़कर मेरे पास आता और कहता, "रेव्हरेंड, भीतर जाइए- वे आपका इंतज़ार कर रहे हैं।

अंत मे इस व्यक्ति ने अपना ध्वज पोत थिएटर बेच दिया। जब वे विक्री के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रहे थे, तब उन्होंने कहा," मैं नही जानता कि मैं यह क्यों कर रहा हूं।" केवल परमेश्वर की उपस्थिति ने उन्हें उस इमारत को बेचने के लिए प्रेरित किया था।

मैंने परमेश्वर को अन्य लोगों के हृदयों को भी बदलते देखा। हमारी इमारत के बगल वाली इमारत के मालिक ने उसे हमें बेचने से मना किया था। परंतु समय के साथ वह मेरा मित्र बन गया, और अंत में उसने वह इमारत हमें बेच दी। पूरे समय, वह मुझ से कहता था, "वहां कोई है जो तुम्हारे लिए काम कर रहा है।" यह परमेश्वर की उपस्थिति की सामर्थ है। और हर मसीही इसी प्रकार गवाही दे सकता है; "मेरे साथ परमेश्वर की उपस्थिति ने बड़ी बड़ी बातों को किया है।"

हमारे जीवनों में परमेश्वर की उपस्थिति पाने और बनाए रखने के साथ एक शर्त है

परमेश्वर हमारे जीवनों में उसकी उपस्थिति के साथ एक शर्त जोड़ता है। यह शर्त २ इतिहास १५ में पाई जाती है। पिछले अध्याय में, राजा आसा ने इथियोपिया के एक लाख लोगों की सेना के विरोध में बडी विजय पाने हेतु यहूदा की अगुवाई की। फिर भी आसा ने गवाही दी कि परमेश्वर की उपस्थिति ने शत्रुओं को तितर-बितर कर दिया था। "तब आसा ने अपने परमेश्वर यहोवा की यों दोहाई दी, कि हे यहोवा! जैसे तू सामर्थी की सहायता कर सकता है, वैसे ही शक्तिहीन की भी; हे हमारे परमेश्वर यहोवा! हमारी सहायता कर, क्योंकि हमारा भरोसा तुझी पर है और तेरे नाम का भरोसा करके हम इस भीड़ के विरूद्ध आए हैं। हे यहोवा, तू हमारा परमेश्वर है; मनुष्य तुझ पर प्रबल न होने पाएगा। तब यहोवा ने कूशियों को आसा... के सामने मारा..." (२ इतिहास १४:११-१२)।

आपके जीवन में परमेश्वर की उपस्थिति पाने और बनाए रखने का रहस्य यह है। परमेश्वर ने आसा को सीधे-सीधे स्मरण दिलाया, "आसा, यह न भूलना कि यह विजय तूने कैसे पाई। जब तू विपत्ति में था तब तूने अपने सम्पूर्ण हृदय से मेरी खोज की, पूरे मन से मेरी ओर फिरा और मैंने मेरी उपस्थिति तेरे पास भेजी। मेरी उपस्थिति ने तेरे शत्रुओं को खदेड दिया।"

अब अजऱ्याह आसा से कह रहा था, "क्या तुझे स्मरण है कि तेरे सत्ता पर आने से पहले राज्य कैसा था? सब कुछ अव्यवस्थित था, कोई मार्गदर्शन नहीं था, कोई व्यवस्था नहीं, कोई धर्म की शिक्षा नहीं। हर कोई अपनी ही व्यवस्था के अनुसार चलता था, अपनी ही मनमानी करता था।

आज कई मसीही घरों की यही सटीक तस्वीर है। सब कुछ क्रम से बाहर है, अधिकार नहीं, शांति नहीं या विश्राम नहीं। हर कोई वही करता है जो उसे प्रसन्न करता है। ऐसे कई परिवार दुखद, दुष्क्रियाशील हो गए हैं।

परंतु ऐसा नहीं होना चाहिए। कोई मसीही घर दुष्क्रियाशील नहीं होना चाहिए। परमेश्वर की प्रतिज्ञाएं परिवर्तनशील हैं, और उसका वचन प्रतिज्ञा करता है, "तेरे शेष जीवनभर, जब तक तू मेरी खोज में लगा रहेगा, मैं तेरे साथ रहूंगा। जब कभी तू मुझे पुकारे, तू हमेशा मुझे पाएगा।"

यह पेचीदा ईश्वरविज्ञान नहीं है। सरल शब्दों में, यदि पति और पत्नी दोनों - यदि उनमें से केवल एक - प्रभु की खोज करते हैं, तो उनके परिवार को परेशान होने की या 'बगैर व्यवस्था' के रहने की ज़रूरत नहीं है। यदि व्यक्ति प्रभु की उपस्थिति की खोज में लगा रहे, तो वह उसकी स्थायी उपस्थिति पा सकता है।

"...तो वह तुमसे मिला करेगा..." (२ इतिहास १५:२)। यहां दिए गए "मिला" इस शब्द के लिए दिया गया इब्रानी शब्द है "मात्सा" है, जिसका अर्थ है, "सक्षम बनाने हेतु, आशीष देने हेतु आने वाली उसकी उपस्थिति।" संक्षिप्त में, यह वचन हमें बताता है, "अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रभु को खोजो, और वह अपनी उपस्थिति के साथ आपके पास आएगा। सचमुच, उसकी उपस्थिति सर्वशक्तिमान सामर्थ होगी जो आपके जीवन से निकलती है!"

पवित्र शास्त्र के अनुसार हमारी चिंता है, परमेश्वर की खोज करते रहना, यह सुनिश्चित करना कि उसकी उपस्थिति हमारे साथ हो।

परमेश्वर प्रत्येक विश्वासी के साथ उसके अनुग्रह की वाचा स्थापित करता है। यह वाचा इस प्रकार की प्रतिज्ञाओं में मूर्तिमंत है, "परमेश्वर ने मसीह पर हम सबके अपराध लादे हैं।" "यीशु हमारे लिए श्राप बन गया।" "वह न हमें कभी छोड़ेगा और न कभी त्यागेगा।"

फिर भी परमेश्वर विशेष प्रतिज्ञाओं को उन लोगों के लिए निश्चित करता है जो अपने सम्पूर्ण हृदयों से उसकी खोज करने का संकल्प करते हैं। एक ऐसी प्रतिज्ञा परमेश्वर की उपस्थिति की वाचा है। परंतु, यह वाचा पूर्णतया शर्तपूर्ण है। पवित्र शास्त्र स्पष्ट करता है कि यदि हम इस वाचा के नियम का पालन करेंगे, तो हम हमारे जीवनों में परमेश्वर की उपस्थिति की अविश्वसनीय आशीष का आनंद उठाएंगे। और यह बात केवल उद्धार के विषय का उल्लेख नहीं करती। वह परमेश्वर का ऐसा खोजी बनने के

विषय में बोलती है जिससे कि उसकी अद्भुत उपस्थिति हम पर उण्डेली जाती है - और उसे सभी देखते और जानते हैं।

परमेश्वर ने अपनी उपस्थिति की यह वाचा गुमनाम भविष्यद्वक्ता के द्वारा प्रगट की जिसने इस्राएल के महायाजक एली को संदेश दिया। उस समय, एली आत्मिक रीति से पिछड़ गया था। परमेश्वर उससे बातें कर रहा था, पाप और समझौते का अनुसरण करने के विषय में उसे चेतावनी दे रहा था। परंतु एली ने परमेश्वर के वचनों को नज़रअंदाज़ किया था। और अब इस गुमनाम भविष्यद्वक्ता ने एली से कहा, "इसलिये इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की यह वाणी है, कि मैंने कहा तो था, कि तेरा घराना और तेरे मूलपुरुष का घराना मेरे सामने सदैव चला करेगा; परंतु अब यहोवा की वाणी यह है, कि यह बात मुझ से दूर हो; क्योंकि जो मेरा आदर करें मैं उनका आदर करूंगा, और जो मुझे तुच्छ जानें वे छोटे समझे जाएंगे।" (१ शमुएल २:३०)।

"तुच्छ जानें" इस वाक्य का सम्बंध परमेश्वर का अपनी उपस्थिति हटा लेने से है। इसका अर्थ यह नहीं है कि वह व्यक्ति शापित है, बल्कि यह कि उसे अपनी ही शरीर की सामर्थ में चलना होगा। परमेश्वर एली से कह रहा था, "मैं तेरे घराने को आशीष देना चाहता था, तुझ पर कृपा करना चाहता था। परंतु तूने मुझे तुच्छ जाना है, तू पाप के प्रति नम्र हो गया है और मुझे हटाकर अपनी वासनाओं का अनुसरण कर रहा है। अब मैं अपनी उपस्थिति तुझ से हटा लेता हूं।"

कई लोग मसीह के पास बड़े, आरंभिक विश्वास के साथ आते हैं। परंतु समय के साथ उनका उत्साह ठण्डा पड़ जाता है, और वे प्रभु को अनदेखा करने लगते हैं। वे उसकी आज्ञाओं को तुच्छ जानने लगते हैं और अपने पुराने, पापमय मार्गों की ओर फिरते हैं। फिर भी वे मानते हैं कि परमेश्वर की उपस्थिति उनके साथ बनी है। नहीं, वह एक धोखा, झूठ, एक भ्रम है। बाइबल उसे स्पष्ट करती है। यदि आप उसे छोड़ देंगे, तो वह आपको छोड़ देगा।

परमेश्वर की प्रतिज्ञाएं कभी विफल नहीं होती। परंतु परंतु कुछ लोग - इस उपस्थिति की वाचा के समान - पूर्णतया शर्तपूर्ण होते हैं। उन्हें मात्र हमारे सहयोग से अधिक की चाह होती है। अर्थात, परमेश्वर हमें कभी नहीं छोड़ेगा या हम से प्रेम करना नहीं बंद करेगा। परंतु यदि हम पाप में बने रहे, तो उसकी उपस्थिति हमारे साथ नहीं रहेगी - और हमारे जीवन उसकी सामर्थी उपस्थिति के साधन नहीं होंगे। हम शरीर के अनुसार जीवन बिताएंगे - संघर्ष करते हुए, लड़खड़ाते हुए, बिना किसी सामर्थ के या मार्गदर्शन के!

जब परमेश्वर की सामर्थ हम पर होती है, तब हम उसकी महिमा को देख सकते हैं, अवलोकन कर सकते हैं और समझ सकते हैं

जब इस्राएल जंगल में था तब परमेश्वर ने बादल के माध्यम से अपनी उपस्थिति उन पर प्रगट की। यह बादल अपने लोगों के साथ रहने की परमेश्वर की प्रतिज्ञा का भौतिक प्रकटीकरण था। वह नीचे उतर कर आता था और रात और दिन मिलाप के तम्बू पर छाया रहता था। और प्रत्येक कार्य के लिए वह उनका मार्गदर्शक होता था। जब बादल चलता था, तब वे चलते थे, और जब बादल रुकता था, तो वे रुकते थे। उनकी दिशा या भविष्य को जानने का प्रयास करने हेतु लोगों को समिती की सभाएं लेने का प्रयास नहीं करना पड़ता था। वे परमेश्वर की उपस्थिति के उस दृश्यमान बादल में अपना भरोसा रखते थे।

आज उसकी उपस्थिति का वही बादल प्रार्थना की आपकी गुप्त कोठरी पर मंडराता है। वह प्रतिदिन आपको अपनी शांति में घेर लेने हेतु प्रतीक्षा करता है। वह आपकी अगुवाई करेगा, आपको सामर्थी बनाएगा, आपको शांति प्रदान करेगा। वह आपके घर, कार्य, और रिश्तों के विषय में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

आपकी गुप्त कोठरी कहीं भी रह सकती है - आपका स्नानगृह, काम पर जाते हुए बस, काम पर आते-जाते। आप बाकी बातों को बंद कर कह सकते हैं, "प्रभु, मेरे पास आधा घण्टा है। यीशु, मैं आपसे प्रेम करता हूं, आपकी आराधना करता हूं। आपके साथ यह मेरा गुप्त समय है।"

सुसंगत प्रार्थना जीवन बिताते हुए, परमेश्वर के साथ गुप्त स्थान में बंद रहना अद्भुत बात है। परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब आप उसको खोजने वाले, प्रार्थना करने वाले सेवक बनेंगे, तो उसकी उपस्थिति आपके जीवन में प्रगट होगी - द्वारों को बंद करेगी और खोलेगी, और उसकी ईश्वरीय उपस्थिति आपके चारों ओर कार्य करेगी। फिर भी इससे कुछ बड़ा घटित होगा : परमेश्वर की उपस्थिति उसकी महिमा के प्रकाशन में आपकी अगुवाई करेगी!

परमेश्वर की उपस्थिति और महिमा में अंतर है। अधिकांश मसीही उसकी उपस्थिति को जानते हैं - उनके जीवनों में उसके महान कामों को - परंतु बहुत कम लोग उसकी महिमा को जानते हैं। निर्गमन में, हमें इस अंतर की झलक देखी : "तब बादल मिलापवाले तम्बू पर छा गया, और यहोवा का तेज निवासस्थान में भर गया।" (निर्गमन ४०:३४)।

प्रेरित पौलुस लिखता है कि विश्वासियों की सारी मण्डलियां परमेश्वर का मिलाप का तम्बू हैं : "क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेष्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुममें वास करता है?" (१ कुरिन्थियों ३:१६)। परमेश्वर की उपस्थिति के बादल के नीचे रहने वाले इस्राएलियों के समान, हम निरंतर परमेश्वर के अनुग्रह की छाया में हैं। फिर भी, परमेश्वर की उपस्थिति को देखना और उसकी महिमा को देखना इसके बीच क्या अंतर है?

परमेश्वर ने मूसा को उसकी महिमा का प्रकाशन दिया।

मूसा ने परमेश्वर की उपस्थिति के निरंतर प्रकटीकरण के लिए परमेश्वर की खोज की :

विश्व बेदारी के लिए प्रार्थना करने की बुलाहट!

एको ऑफ हिज़ कॉल और अन्य कलीसियाओं तथा संस्थाओं में बेदारी के लिए प्रार्थना का विश्वव्यापी विशेष दिन!!

मैं विश्व भर के अपने सभी मित्रों से विनम्र निवेदन करता हूं कि मई १, २०२० को एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों और अन्य कलीसियाओं तथा संस्थाओं में बेदारी के लिए विशेष प्रार्थना के दिन के रूप में अलग रखा जाए, समर्पित किया जाए, और पालन किया जाए। समय सुबह १० से शाम ५ बजे तक होगा। भारत के चेन्नई के मुख्य गिरजाघर में एक विशेष सम्मेलन का आयोजन किया गया है। हम अपने सभी मित्रों से जो चेन्नई और भारत से दूर हैं, उनके स्थानों में उसी दिन, उसी समय प्रार्थना सभाओं का आयोजन करें। प्रार्थना विनंती बाद में भेजी जाएगी। यह भारत के लिए तथा विश्व के अन्य राष्ट्रों के लिए प्रार्थना करने का सही समय है।

प्रार्थना वह सामर्थ है जो उस हाथ को हिलाती है जो संसार को चलाता है!

पास्टर एम. सैम सेल्वा राज,
एको ऑफ हिज़ कॉल

"...मुझे अपनी गति समझा दे..." (निर्गमन ३३:१३, १४)। और परमेश्वर ने उसे उत्तर दिया मैं आप चलूंगा, और तुझे विश्राम दूंगा।

मूसा की बिनती अधिकांश विश्वासियों के लिए पर्याप्त रह सकती है। हम सभी परमेश्वर की उपस्थिति चाहते हैं - कि वह हमारी अगुवाई करे, हमारा मार्गदर्शन करे, हमें सामर्थ दे, आशीष प्रदान करे। वास्तव में, कोई भी विश्वासी और किस बात की कामना करेगा? फिर भी परमेश्वर की उपस्थिति का आश्वासन पाना मूसा के लिए पर्याप्त नहीं था। वह जानता था कि इससे भी अधिक है। और उसने पुकारा, "मुझे अपनी महिमा दिखा" (निर्गमन ३३:१८)।

परमेश्वर ने मूसा को अपनी महिमा दिखाई। परंतु वह किसी प्रकाशमान बादल में या पृथ्वी को हिलाकर रखने वाले सामर्थ के प्रदर्शन में नहीं थी। नहीं, परमेश्वर ने अपनी महिमा उसके स्वभाव के सरल प्रकाशन में प्रगट की : "और यहोवा उसके सामने होकर यों प्रचार करता हुआ चला, कि यहोवा, यहोवा, ईश्वर दयालु और अनुग्रहकारी, कोप करने में धीरजवन्त, और अति करूणामय और सत्य, हजारों पीढ़ियों तक निरन्तर करूणा करनेवाला, अधर्म और अपराध और पाप का क्षमा करनेवाला है, परंतु दोषी को वह किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा, वह पितरों के अधर्म का दण्ड उनके बेटों वरन पोतों और परपोतों को भी देनेवाला है।" (निर्गमन ३४:६,७)। परमेश्वर की महिमा उसकी भलाई, करूणा, प्रेम, तरस का प्रकटीकरण था!

मैंने कई मसीहियों को यह कहते हुए सुना है, "ओह, कल रात हमारी कलीसिया में परमेश्वर की उपस्थिति कैसे उतर आई! बड़ी अच्छी स्तुति हो रही थी, और लोग आत्मा की सामर्थ में गिर रहे थे।" परंतु यह परमेश्वर की महिमा के प्रकटीकरण का प्रमाण नहीं है। मनुष्य की भावनाओं से परे उसका परमेश्वर से कोई सम्बंध नहीं। उसमें वह कौन है इसका प्रकाशन समाविष्ट नहीं है!

कुछ लोग बहस करेंगे, "रूपांतरण के पहाड़ पर शिष्यों के अनुभव का क्या? क्या वह परमेश्वर की महिमा का प्रकटीकरण नहीं था? वहां तेज़ प्रकाश था और मूसा तथा एलिय्याह का अद्‌भुत रूप से प्रगट होना था।"

परंतु, परमेश्वर की महिमा मूसा या एलिय्याह या उल्लेखनीय प्रकाश में नहीं थी। बल्कि उसकी महिमा यीशु में थी : "और उनके सामने उसका रूप बदल गया और उसका मुंह सूर्य के समान चमक उठा और उसका वस्त्र ज्योति के समान उजला हो गया। और देखो, उस बादल में से यह आवाज़ सुनाई दी, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं प्रसन्न हूं: इसकी सुनो!" (मत्ती १७:२-५)।

परमेश्वर कह रहा था, "यहां मेरी महिमा देह रूप में है - मसीह में।" सचमुच, जो कुछ परमेश्वर ने मूसा से कहा था कि वह है, उसकी यीशु परिपूर्णता है - अनुग्रहकारी, दयालु, धीरजवंत, भलाई और सत्य से परिपूर्ण, हज़ारों पर करूणा करने वाला, पापों और अपराधों को क्षमा करने वाला। और अब परमेश्वर कह रहा था, 'यहां पर मेरी महिमा की जीवित तस्वीर है। वह सब मेरे पुत्र में मूर्तिमंत है!'"

मैंने कुछ मसीहियों को यह कहते हुए सुना है, "काश कि परमेश्वर मुझे नरक की भयानकता का दर्शन देता, तो मैं उसे कभी नहीं त्यागता। मैं प्रतिदिन यीशु के लिए जीवन बिताता!" नहीं, उस प्रकार का दर्शन कभी किसी की रक्षा नहीं करता। केवल यीशु कौन है यह दर्शन - उसकी महिमा, अनुग्रह और करूणा का दर्शन - हमें पवित्र बनाए रखेगा। उसके बाद उसने शपथ ली कि वह मसीह को अपना जीवन समर्पित करेगा। परंतु कुछ ही हफ्तों के अंदर वह दर्शन मिट गया, और वह अपने पापमय मार्गों की ओर चल पड़ा।

परमेश्वर "पवित्र लोगों में उसकी मीरास की महिमा के धन" के लिए हमारी आंखों को खोलना चाहता है (इफिसियों १:१८)। वह कहता है, "सारी महिमा जो मैंने मूसा पर प्रगट की मेरे पुत्र में देहरूप में है। और अब मैंने उसे तुम्हारी मीरास के रूप में दे दिया है।उसे उसकी पूरी महिमा में जानने का अधिकार तुम्हें है!" "क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है;" (कुलु. २:९)।

मूसा ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन को इतनी बेताबी से क्यों खोजा? मेरा विश्वास है कि इसका कारण इस वचन में पाया जाता है : "और मैं इस्राएलियों से वहीं मिला करूंगा, और वह तम्बू मेरे तेल से पवित्र किया जाएगा।" (निर्गमन २९:४३)। "पवित्र किया जाएगा" इस शब्द का यहां पर अर्थ है "शुद्ध किया जाएगा।" दूसरे शब्दों में, परमेश्वर कह रहा था, "मूसा, जब तू और लोग मेरी आराधना करेंगे, तो मैं तुम से भेंट करूंगा और मेरी उपस्थिति तुम्हें दूंगा। और जब मैं अपनी महिमा तुम पर प्रगट करूंगा, तब वह तुम्हें शुद्ध करेगी।"

यह पवित्र शास्त्र के सर्वाधिक सामर्थी वचनों में से एक है। वह पाप के साथ संघर्ष करने वाले और स्वतंत्र तथा शुद्ध होने की आशा रखने वाले प्रत्येक को आशा प्रदान करता है। परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है, "मेरी महिमा के प्रकाशन से तुम्हारा मंदिर शुद्ध हो जाएगा। और वह प्रकाशन तुम्हारे लिए अभी इसी समय - मेरे पुत्र यीशु मसीह में प्रगट है!"

मसीह का यह प्रकाशन हम कहां पा सकते हैं? यह हम केवल तब पाते हैं जब हम पवित्र शास्त्र के निकट आते हैं! पौलुस कहता है कि जब हम परमेश्वर के वचन को अनुमति देते हैं कि वह हम पर यीशु का निरंतर बढ़ता हुआ प्रकाशन प्रगट करे, तो हम महिमा से महिमा में बदल जाएंगे : "कोई अपने आपको धोखा न दे; यदि तुममें से कोई इस संसार में अपने आप को ज्ञानी समझे, तो मूर्ख बने, ताकि ज्ञानी हो जाए।" (२ कुरि. ३:१८)।

परमेश्वर की महिमा का प्रकाशन हमारे जीवनों के लिए यह रक्षक सामर्थ प्रदान करेगा। "तब यहोवा सिय्योन पर्वत के एक एक घर के ऊपर, और उसके सभास्थानों के ऊपर दिन

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई के नहेम्याह बाइबल कॉलेज के भूतपूर्व विद्यार्थियों की सभा

स्थान : Nehemiah Bible College, 10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Bells Road, Chepauk, Chennai-600 005.

दिनांक : १६ मार्च, २०२० समय : शाम ५ बजे से ७ बजे तक

हम एको ऑफ हिज़ कॉल, नहेम्याह बाइबल कॉलेज, बाइबल कोर, ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम के सभी पूर्व विद्यार्थियों को निमंत्रित करते हैं।

रेव्ह. डॉ. एबी रेयनर स्ट्रॉस पास्टर एस. सैम सिल्वा राज पास्टर एलेक्स सैमसन सैम
प्रधानाचार्य अध्यक्ष निदेशक

नहेम्याह बाइबल कॉलेज पदवीदान सभा

कृपया १३ जून, २०२० शनिवार को शाम ४ बजे होने वाली **नहेम्याह बाइबल कॉलेज** की पदवीदान सभा के लिए प्रार्थना करें। पता : Balar Kalvi Nilayam Hall, Anita Matriculation School, Ritherdon Road, Purasawakkam, Chennai-600 007.

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

"...मैं तो दीन और दरिद्र हूं, तौभी प्रभु मेरी चिंता करता है" (भजन ४०:१७)।

करीब छियालीस वर्ष पहले, चेन्नई में एक बड़ी बेदारी की सभा आयोजित की गई। कुछ महान प्रचारक दक्षिण आफ्रिका से आए थे। परमेश्वर ने उनके द्वारा बड़े आश्चर्यकर्म किए। बड़ी संख्या में लोगों ने आश्चर्यकर्मों को देखा और अपने जीवनों में पहली बार सुसमाचार सुना। मैं स्वयंसेवी कार्यकर्ता के रूप में उनकी सहायता कर रहा था।

अंतिम सभा समाप्त होने के बाद, अतिथियों और उन कार्यकर्ताओं की छोटी सी सभा थी जिन्होंने सभा के आयोजन में सहायता की थी। अचानक दक्षिण आफ्रिका के अतिथि ने मुझे बुलाया और मेरे विषय में पूछताछ की, मेरे बैनर लगाने, नए मित्रों का स्वागत करने और बेदारी की सभाओं के दौरान भाग लेने वालों की सहायता करना आदि कामों में मेरे प्रामाणिक तथा परिश्रम के कार्य की उन्होंने सराहना की।

उन्होंने आगे मुझ से पूछा कि मैं कहां से आता हूं और मुझ से कहा कि क्या मैं अगले दिन भारत से जाने के उनके समय सुबह ४ बजे उनसे हवाई अड्डे पर मिल सकता हूं। मैंने उनसे कहा कि बहुत सुबह हो जाएगी, क्योंकि मेरे पास केवल एक पुरानी साइकिल थी और वह भी अच्छी हालत में नहीं थी जिससे मैं घर से हवाई अड्डा जा सकूं और अंतर भी मेरे घर से २५ किमी था।

तुरंत उन्होंने अपने आसपास देखा और शहर के एक बड़े सुसमाचार प्रचारक को पाया और उसे नाम लेकर पुकारा और कहा, "यह भाई, सैम सिल्वा राज है। मैंने देखा है कि वह स्वेच्छा से बहुत अच्छा काम कर रहा है और मैं उसमें कुछ खास बात देखता हूं। भारत से जाने से पहले मैं हवाई अड्डे पर उनके साथ कुछ समय बिताना चाहता हूं। वह बहुत निर्धन है और अपने घर से कल सुबह हवाईअड्डा जाने के लिए उसके पास कोई वाहन नहीं है, इसलिए मुझे खुशी होगी कि तुम उसे अपनी कार में ले आओ, क्योंकि तुम मुझे बिदा देने के लिए आ ही रहे हो।"

लेकिन यह भाई मुझ से नाराज़ हो गया और उसने मुख्य अतिथि को उत्तर दिया, "इस व्यक्ति को ले जाने के लिए मेरी कार में जगह नहीं है। उसे कहें कि वह हवाई अड्डा न आए।" मुख्य अतिथि ने इस व्यक्ति से पूछा, "क्या तुम्हारे साथ हवाई अड्डा आने वाले अन्य लोग हैं?" उसने उत्तर दिया, "मेरे साथ कोई नहीं आ रहा है; लेकिन मैं इस निर्धन व्यक्ति की सहायता नहीं कर सकता।"

परमेश्वर का सेवक जो मुख्य अतिथि था, इन शब्दों को सुनकर अवाक् रह गया। उन्होंने मुझे बुलाया और मेरे सिर पर हाथ रखे और आंसुओं के साथ मेरे लिए प्रार्थना की और परमेश्वर से बिनती की कि वह मुझे भौतिक आशीषें भी दे। उसने मुझसे आगे कहा, "मेरे भाई सैम, मैं जानता हूं कि आप अति महान परमेश्वर के जिसकी मैं आज सेवा करता हूं, एक अत्यंत विनम्र सेवक हैं। मैं आप पर और आपकी सेवकाई पर सम्पन्नता बोलता हूं। जिस परमेश्वर की मैं सेवा करता हूं वह अभी स्वर्ग की खिड़कियां खोलेगा और आपकी सेवकाई के लिए कई कारें, बसेस और अन्य इमारतें आदि देकर आपको आशीषित करेगा। आपको उस भाई से नफरत नहीं करना है जो कल सुबह हवाई अड्डा आते समय आपको अपने साथ नहीं ले जाना चाहता था।"

इस अनुभव ने मुझे दुख नहीं दिया। परंतु अपने दास के द्वारा जो शब्द उसने कहे थे उनके लिए मैंने परमेश्वर को धन्यवाद दिया। दिन बीत गए हैं। परंतु परमेश्वर मुझे अपने मन में रखने के विषय में अत्यंत विश्वासयोग्य रहा है। बाद में परमेश्वर ने मुझे गाड़ियां दी और उसकी सेवकाई के लिए आवश्यक सारा सामान भी दिया। हमारे अपने वाहनों का उपयोग कर उसी हवाई अड्डे की कई बार यात्रा करने में उसने हमारी सहायता की। हमारा परमेश्वर कैसा अद्भुत है? वही परमेश्वर आज भी जीवित है। वह कल, आज और सदा एक सा है।

मेरे प्रिय वाचक, जब दूसरे लोग आपके अभिषेक को नहीं पहचानते, तो क्या आप अस्वस्थ होते हैं? क्या आपकी वर्तमान निम्न अवस्था देखकर आप निराश हो गए हैं? क्या आपके ही लोगों ने आपको तुच्छ जाना है? परमेश्वर कहता है, "तुहारा मन व्याकुल न हो...मैं तुम्हें अनाथ न छोडूंगा; मैं तुम्हारे पास आता हूं" (यूहन्ना १४:१,१८)।

Statement about ownership and other particulars about the Newspaper Echo of His Call (Hindi) - Form IV
(See Rule 8)

1. Place of Publication : 10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai - 600 005.
2. Periodicity : Monthly
3. Printer, Editor, Owner & Publisher : **S. Sam Selva Raj** (Same Address)
4. Nationality : Indian

I, **S. Sam Selva Raj**, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

March 2020 **S. Sam Selva Raj.**

RNI NO. 63656/95, Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20 WPP NO. TN/PMG(CCR)/WPP-222/18-20

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-

आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों

कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई के लिए आपके पत्र, बिनती, प्रार्थना आर्थिक सहायता आदि (डी. डी. चेक, मनिऑर्डर आदि द्वारा) नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

कृपया अपना लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता आवश्यक सुधार के लिए भेजें।

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai- 600 005, India.

Phone : (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

Email : sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in

Website : www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

आप अपनी भेटों को ऑन-लाईन भी भेज सकते हैं।

को तो धूएं का बादल, और रात को धधकती आग का प्रकाश सिरजेगा, और समस्त विभव के ऊपर एक मंडप छाया रहेगा।" (यशायाह ४:५)। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर की महिमा हमें हमारे बुरे समयों में शुद्ध रखेगी। शैतान हम से झूठ बोल सकता है, "तुम हारे हुए हो! तुम धोखेबाज, झूठे और व्यभिचारी हो।" परंतु हम उत्तर दे सकते हैं, "नहीं शैतान, मेरे पास एक महायाजक है - और मैं उसकी महिमा के दर्शन से शुद्ध किया गया हूं!"

परमेश्वर ने अपने स्वभाव के विषय में जब ये सारी बातें मूसा पर प्रगट की, तब उसने उसे भी पूर्ण प्रकाशन दिया कि वह "...परंतु दोषी को वह किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा,..." (निर्गमन ३४:७)। अजर्याह ने आसा के अत्यंत सम्पन्न समय में उसके लिए भविष्यद्वाणी की, "यदि तू परमेश्वर परमेश्वर की महिमा को तुच्छ जानेगा - यदि तो अपने पाप का बहाना बनाएगा और प्रभु की उपेक्षा करेगा - तो वह तुझे शुद्ध नहीं करेगा।" "..तुम यहोवा के संग रहोगे तब तक वह तुम्हारे संग रहेगा; और यदि तुम उसकी खोज में लगे रहो, तब तो वह तुम से मिला करेगा, परन्तु यदि तुम उसको त्याग दोगे तो वह भी तुम को त्याग देगा।" (२ इतिहास १५:२)।

परमेश्वर हमें जो बता रहा है वह इतना सरल है : "मेरे पुत्र को जानने में समय बिताओ! मेरे वचन को खोजो और प्रार्थना के अपने गुप्त स्थान में मुझे खोजो। तब, जब तुम मेरी उपस्थिति में रहोगे, तब तुम्हारी आंखें मेरी महिमा को देखने हेतु खुलने लगेगी। यह सब कुछ मसीह में प्रगट है। वह मेरे प्रेम, अनुग्रह, दया और कृपा का पूर्ण प्रकाशन है।"

जब तुम इस प्रकाशन पर निरंतर मनन करोगे, तब वह तुम्हें शुद्ध और पवित्र करेगा - क्योंकि तुम मसीह के समान बनते जाओगे। जब तुम देखोगे कि तुम्हारे प्रति वह कितना प्रेमी और करूणामय है, तो तुम भी दूसरों के प्रति और प्रेमी तथा करूणामय हो जाओगे। और वह तुम में प्रगट मेरी महिमा होगी।"

प्रिय, चिन्ह खोजना बंद करें। आपकी कलीसिया को कोई बल हिलाएगी; या कोई प्रचारक आप पर हाथ रखेगा और आपकी सारी समस्याओं को दूर करेगा यह अपेक्षा करना बंद कर दो। केवल प्रभु की खोज करें! उसका वचन यह स्पष्ट करता है - या तो आप उसकी निरंतर उपस्थिति का आनंद अनुभव करेंगे : तुच्छ समझे जाएंगे : "यहोवा की दृष्टि सारी पृथ्वी पर इसलिये फिरती रहती है कि जिनका मन उसकी ओर निष्कपट रहता है, उनकी सहायता में वह अपना सामर्थ दिखाए।" (२ इतिहास १६:९)।

अपने सम्पूर्ण हृदय से उसे खोजें, और अपने प्रतिदिन के जीवन में उसकी उपस्थिति की चाह रखें। तब तुम परमेश्वर की अविश्वसनीय महिमा को जानोगे और अनुभव करोगे!

RNI NO. 63656/95
Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20
WPP NO. TN/PMG(CCR) / WPP- 222/18-20
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8 th & 9 th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th MARCH 2020
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957,
Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**